भारत सरकार

रेल मंत्रालय

लोक सभा

24.07.2024 के

अतारांकित प्रश्न सं. 348 का उत्तर

भागलपुर संसदीय क्षेत्र में अमृत भारत स्टेशन योजना

348. श्री अजय कुमार मंडल:

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार ने बिहार राज्य में अमृत भारत स्टेशन योजना (एबीएसएस) के अंतर्गत रेलवे स्टेशनों के विकास के लिए कोई कदम उठाए हैं और यदि हां, तो ऐसे स्टेशनों के नाम तथा स्वीकृत राशि सहित तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या सरकार ने भागलपुर संसदीय क्षेत्र में भागलपुर और नौगछिया रेलवे स्टेशनों पर एबीएसएस के अंतर्गत किए गए विकास कार्यों के कार्यान्वयन की स्थिति की निगरानी की है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है तथा इसके पूरा होने की प्रस्तावित तिथि क्या है;

(ग) क्या सरकार ने बिहार राज्य में दूसरे चरण में एबीएसएस के अंतर्गत विकसित किए जाने वाले स्टेशनों की सूची तैयार की है और यदि हां, तो इसका स्टेशन-वार ब्यौरा क्या है; और

(घ) क्या सरकार को ज्ञात है कि भागलपुर संसदीय क्षेत्र में रेलवे स्टेशनों पर पूर्ण किए गए कई यात्री सुविधाओं और विकास कार्यों का अभी तक उद्घाटन नहीं हुआ है और यदि हां, तो इसका ब्यौरा क्या है तथा इसके क्या कारण हैं?

उत्तर

रेल, सूचना और प्रसारण एवं इलेक्ट्रोनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री

(श्री अश्विनी वैष्णव)

(क) से (घ): विवरण सभा पटल पर रख दिया गया है।

****

s.k

भागलपुर संसदीय क्षेत्र में अमृत भारत स्टेशन योजना के संबंध में दिनांक 24.07.2024 को लोक सभा में श्री अजय कुमार मंडल के अतारांकित प्रश्न सं. 348 के भाग (क) से (घ) के उत्तर से संबंधित विवरण।

(क) से (घ): भारतीय रेल के स्टेशनों के विकास के लिए 'अमृत भारत स्टेशन योजना' शुरू की गई है। इस योजना में दीर्घकालिक दृष्टिकोण के साथ सतत् आधार पर रेलवे स्टेशनों के विकास की संकल्पना की गई है।

इसमें प्रत्येक रेलवे स्टेशन पर आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए मास्टर प्लान तैयार करना और रेलवे स्टेशनों पर सुविधाओं जैसे स्टेशन पहुंच, परिचलन क्षेत्र, प्रतीक्षालय, शौचालय, लिफ्ट/एस्केलेटर, स्वच्छता में यथा आवश्यक सुधार लाने; मुफ्त वाई-फाई, 'वन स्टेशन वन प्रोडक्ट' जैसी योजनाओं द्वारा स्थानीय उत्पादों के लिए कियोस्क, बेहतर यात्री सूचना प्रणाली, एक्जीक्यूटिव लाउंज, व्यावसायिक बैठकों के लिए नामोदिष्ट स्थान, लैंडस्केपिंग आदि के लिए उनका चरणबद्ध कार्यान्वयन शामिल है।

इस योजना में लंबी अवधि में स्टेशन भवन में सुधार; रेलवे स्टेशन का शहर की दोनों तरफ के साथ एकीकरण; मल्टी-मोडाल एकीकरण; दिव्यांगजनों के लिए सुविधाएं; दीर्घकालिक और पर्यावरण अनुकूल समाधान; गिट्टी रहित पटरियों की व्यवस्था; आवश्यकता, चरणबद्धता एवं व्यवहार्यता के अनुसार 'रूफ प्लाजा'; और रेलवे स्टेशन पर सिटी सेन्टर्स के निर्माण की संकल्पना की गई है।

इस योजना के अंतर्गत अब तक 1324 स्टेशनों की पहचान की गई है, जिनमें से भागलपुर और नौगछिया स्टेशनों सहित 92 स्टेशन बिहार राज्य में स्थित है। दोनों स्टेशनों के लिए निविदाएं प्रदान कर दी गई हैं।

s.k

भागलपुर स्टेशन पर भवनों में सुधार, परिचलन क्षेत्र का विकास, शौचालयों, लिफ्ट, प्रतीक्षालयों, 12 मीटर चौड़ा पैदल पार पुल आदि का कार्य शुरू कर दिया गया है। नौगछिया स्टेशन पर परिचलन क्षेत्र का विकास, प्लेटफार्म सं. 1 के ऊपर कवर शेड, प्लेटफार्म सं. 1 पर 12 मीटर चौड़ा पार पुल, मुख्य प्रवेश द्वार पर मुख्य मंडप का निर्माण आदि कार्य शुरू कर दिये गए हैं।

बहरहाल, रेलवे स्टेशनों का विकास/पुर्नविकास/उन्नयन जटिल स्वरूप का होता है जिसमें रेलगाड़ियों और यात्रियों की संरक्षा शामिल है और जैसे दमकल विभाग, धरोहर, पेड़ों की कटाई, विमानपत्तन स्वीकृति जैसी विभिन्न सांविधिक स्वीकृतियों इत्यादि की आवश्यकता होती है। इनकी प्रगति का कार्य जनोपयोगी सेवाओं को स्थानांतरित करना (जिनमें जल/सीवेज लाइन, ऑप्टिकल फाइबर केबल, गैस पाइप लाइन, पावर/सिगनल केबल इत्यादि शामिल हैं); यात्री संचलन को बाधित किए बिना रेलगाड़ियों का परिचालन; उच्च वोल्टेज बिजली लाइनों के निकट सान्निध्य में किए जाने वाले कार्यों के कारण गति प्रतिबंध आदि जैसी ब्राउन फील्ड संबंधी चुनौतियों के कारण भी प्रभावित होता है और ये कारक कार्य के पूरा होने के समय को प्रभावित करते हैं। अत: इस समय कोई समय-सीमा इंगित नहीं की जा सकती है।

बिहार राज्य में अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत विकास के लिए चिन्हित स्टेशनों के नाम निम्नलिखित हैं:

s.k

राज्य	स्टेशनों की संख्या	स्टेशनों के नाम
बिहार	92	अनुग्रह नारायण रोड, आरा, बख्तियारपुर, बांका, बनमनखी, बापूधाम मोतिहारी, बरौनी, बाढ़, बरसोई जंक्शन, बेगूसराय, बेतिया, भभुआ रोड, भागलपुर, भगवानपुर, बिहारशरीफ, बिहिया, बिक्रमगंज, बक्सर, चौसा, छपरा, दलसिंह सराय, दरभंगा, दौराम मधेपुरा, डेहरी-ऑन-सोन, ढोली, दिघवारा, डुमरांव, दुर्गौती, फतुहा, गया, घोड़ासहन, गुरारू, हाजीपुर जंक्शन, जमालपुर, जमुई, जनकपुर रोड, जयनगर, जहानाबाद, कहलगांव, करागोला रोड, खगड़िया जंक्शन, किशनगंज, कुदरा, लाभा, लहेरिया सराय, लखीमिनिया, लखीसराय, मधुबनी, महेश खुंट, मैरवा, मानसी जंक्शन, मुंगेर, मुजफ्फरपुर, नबीनगर रोड, नरकटियागंज, नौगछिया, पहाड़पुर, पीरो, पीरपैंती, रफीगंज, रघुनाथपुर, राजेंद्र नगर, राजगीर, राम दयालु नगर, रक्सौल, सबौर, सहरसा, साहिबपुर कमल, सकरी, सलौना, सलमारी, समस्तीपुर, सासाराम, शाहपुर पटोरी, शिवनारायणपुर, सिमरी बख्तियारपुर, सिमुलतला, सीतामढ़ी, सीवान, सोनपुर जं., सुगौली, सुल्तानगंज, सुपौल, तरेगना, ठाकुरगंज, थावे, अररिया कोर्ट, चकिया, नवादा, मोतीपुर, एकमा, मशरख

s.k

भारतीय रेल में स्टेशनों का उन्नयन/आधुनिकीकरण सतत प्रक्रिया है और इस संबंध में कार्यों को पारस्परिक प्राथमिकता और निधियों की उपलब्धता के अध्यधीन आवश्यकतानुसार किया जाता हैं।

स्टेशनों के विकास और रखरखाव के लिए धन का आबंटन का विवरण क्षेत्रीय रेल-वार द्वारा रखा जाता है न कि स्टेशन-वार अथवा राज्य-वार। 04 जोन नामतः पूर्व रेलवे, पूर्वोत्तर सीमा रेलवे, पूर्वोत्तर रेलवे और पूर्व मध्य रेलवे बिहार राज्य को सेवित करते हैं। पिछले वित्तीय वर्ष अर्थात् 2023-24 के दौरान, उक्त 04 जोन के लिए योजना शीर्ष-53 के तहत कुल 1420.77 करोड़ रूपये आवंटित किए गए हैं।

*****

s.k